

मुख्यमंत्री वशिष्ठ देव साय के आग्रह पर भारत सरकार ने दी तत्काल अनुमति: सेंट्रल पूल में छत्तीसगढ़ से 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लेगा एफसीआई

चर्चा में क्यों

21 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री वशिष्ठ देव साय के आग्रह को भारत सरकार ने तत्काल स्वीकार करते हुए छत्तीसगढ़ से सेंट्रल पूल में 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने की अनुमति प्रदान कर दी है।

प्रमुख बंदि

- वदिति हो क छत्तीसगढ़ से उसना चावल उपार्जन कए जाने की अनुमति काफी दनों से लंबति थी। मुख्यमंत्री वशिष्ठ देव साय ने राज्य में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की स्थिति एवं कस्टम मलिंगि की ओर केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल का ध्यान आकर्षति करते हुए 21 दिसंबर को पत्र लरिखा था।
- मुख्यमंत्री के आग्रह को स्वीकार करते हुए केंद्रीय खाद्य मंत्री के नरिदेश पर भारत सरकार के खाद्य वभिण मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ से 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल उपार्जन की स्वीकृति का पत्र जारी कर दया गया है।
- मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में सेंट्रल पूल में चावल उपार्जन का कोटा 61 लाख मेट्रिक टन से बढ़ाकर 74 लाख मेट्रिक टन करने के साथ ही राज्य से 59 लाख मेट्रिक टन अरवा तथा 15 लाख मेट्रिक टन उसना चावल लिए जाने का अनुरोध कया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा क छत्तीसगढ़ में खरीफ वपिणन वर्ष 2023-24 में 20 दिसंबर की स्थिति में समर्थन मूल्य पर 8.68 लाख कसिनों से 39.63 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन कया जा चुका है एवं प्रतदिनि 3 लाख मेट्रिक टन से ज्यादा धान की आवक हो रही है।
- इस साल कसिनों से समर्थन मूल्य पर लगभग 130 लाख मेट्रिक टन धान का उपार्जन अनुमानति है, जसिके कस्टम मलिंगि से 88 लाख मेट्रिक टन चावल नरिमति होगा। इसमें से केंद्रीय पूल में लगभग 74 लाख मेट्रिक टन (भारतीय खाद्य नगिम में 58 मेट्रिक लाख टन एवं नागरकि आपूर्ति नगिम में 16 लाख टन) एवं स्टेट पूल में 14 लाख टन चावल का उपार्जन कया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने पत्र में यह भी उल्लेख कया है क छत्तीसगढ़ प्रदेश हेतु केंद्रीय पूल में 61 लाख टन चावल उपार्जन का लक्ष्य नरिधारति कया गया है। प्रदेश में कुछ कसिम के धान के मलिंगि में ज्यादा ब्रोकन आने के कारण नरिधारति गुणवत्ता का अरवा चावल नहीं बनने से अरवा मलिंगि में कठनिर्इयां आती है। ऐसे धान की उसना मलिंगि कराने से कस्टम मलिंगि में गति आयेगी।